भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1420 #

गुरूवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मिथिला पर्यटन सर्किट का विकास

1420 # डा. धर्मशीला गुप्ताः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या स्वदेश दर्शन, प्रसाद अथवा अन्य केंद्रीय योजनाओं के अंतर्गत मिथिला क्षेत्र के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के विकास हेतु पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई परियोजना संस्वीकृत की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार दरभंगा, अहिल्या स्थान (कामतौल), कुशेश्वरस्थान, उच्चैठ, विद्यापति धाम तथा मिथिला क्षेत्र के अन्य प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को जोड़कर 'मिथिला पर्यटन सर्किट' विकसित करने पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)', 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' - स्वदेश दर्शन के तहत एक पहल और 'तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' आदि के तहत पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, को उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी निर्देशों के अनुरूप परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर तथा निधि की उपलब्धता, परस्पर प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने देश में सतत और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वदेश दर्शन योजना के परिपथ-आधारित विकास मॉडल को गंतव्य और पर्यटक केंद्रित दृष्टिकोण में परिवर्तित किया है।

इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक अपनी योजना के तहत भी देश में परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का व्यापक रूप से विकास करना तथा वैश्विक स्तर पर उनका ब्रांडिंग और विपणन करना है।

पिछले तीन वर्षों में बिहार राज्य में मिथिला क्षेत्र सहित एसडी 2.0, सीबीडीडी, एसएएससीआई और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में है।

****

अनुबंध

डा. धर्मशीला गुप्ता द्वारा मिथिला पर्यटन सर्किट के विकास के संबंध में दिनांक 30.07.2026 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 1420 # के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पिछले तीन वर्षों में मिथिला क्षेत्र सहित बिहार राज्य में एसडी 2.0, सीबीडीडी, एसएएससीआई और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:

(i) बिहार राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना/अनुभव का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	बोधगया में बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र का विकास	2024-2025	165.44

(ii) बिहार राज्य में चुनौती आधारित गंतव्य विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना/अनुभव का नाम	श्रेणी	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	सारण जिला में सोनपुर मेला स्थल का विकास	संस्कृति एवं विरासत	2024-2025	24.29

(iii) बिहार राज्य में एसएएससीआई योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना/अनुभव का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	सहरसा में मत्स्यगंधा झील का विकास	2024-25	97.61
2.	करमचट में करमचट इको पर्यटन और एडवेंचर हब	2024-25	49.51

(iv) बिहार राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना/अनुभव का नाम	स्वीकृति वर्ष	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1.	अंबिका भवानी मंदिर, सारण का विकास	2024-25	13.29

******